भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2983
10 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: जनजातीय क्षेत्रों में जैविक कृषि

2983. श्री भास्कर मुरलीधर भगरेः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार महाराष्ट्र के जनजाति बहुल क्षेत्रों सहित देश भर में प्राकृतिक और जैविक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि संबंधी मिशन का कार्यान्वयन कर रही है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान गढ़चिरौली, नंदुरबार, पालघर, ठाणे और नासिक के कुछ भागों सहित महाराष्ट्र के अनुसूचित क्षेत्र और जनजातीय जिलों में इसके कार्यान्वयन तथा प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाए गए क्षेत्र और किए गए प्रमुख कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस मिशन के अंतर्गत नामांकित जनजातीय किसानों की संख्या कितनी है और उन्हें जिला-वार कितनी वित्तीय, इनपुट-आधारित और तकनीकी सहायता प्रदान की गई है;

(घ) क्या महाराष्ट्र में जनजातीय समुदायों के बीच प्राकृतिक खेती के विस्तार के लिए विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और इस संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है;

(ङ) क्या जनजातीय किसानों की आय में सुधार लाने के लिए जनजातीय क्षेत्रों में प्राकृतिक कृषि समूहों को खाद्य प्रसंस्करण संगठनों, बाजारों और प्रमाणन प्रणालियों के साथ जोड़ा जा रहा है; और

(च) इन जनजातीय क्षेत्रों में प्रशिक्षण और परिणामों की निगरानी में कृषि विज्ञान केन्द्रों और अनुसंधान संस्थानों की क्या भूमिका है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री भागीरथ चौधरी)

(क): जी हां, सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन (एनएमएनएफ) और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) का कार्यान्वयन कर रही है जिनमें महाराष्ट्र राज्य भी शामिल है।

(ख) से (घ): एनएमएनएफ के कार्यान्वयन के अंतर्गत कृषि सखियों जैसे सामुदायिक रिसॉर्स पर्सन को ग्राम स्तर पर किसानों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए तैनात किया गया है। पारंपरिक से प्राकृतिक कृषि पद्धतियों में ट्रांजिशन को सुविधाजनक बनाने के लिए, केवीके स्तर पर 136 प्रशिक्षण कार्यक्रम और ग्राम स्तर पर 442 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं। किसानों को रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के विकल्प के रूप में *जीवामृत जैसे माइक्रोबियल फॉर्मूलेशन और* बीजामृत *जैसे बीज उपचार समाधानों* सहित प्राकृतिक आदानों की तैयारी और प्रयोग में प्रशिक्षित किया गया है। मिशन के अंतर्गत कुल 31,237 किसानों को नामांकित किया गया है और एनएमएनएफ के अंतर्गत दो वर्ष की अवधि के लिए प्रति किसान 4,000 रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना में प्राकृतिक कृषि आदानों की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम स्तर पर बायो-इनपुट संसाधन केंद्रों (बीआरसी) की स्थापना की भी परिकल्पना की गई है। ये बीआरसी शुरू हो चुके हैं और गांव या ब्लॉक स्तर पर किसानों के लिए सुलभ हैं। इसके अलावा, किसानों की क्षमताओं को सुदृढ़ करने और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए ग्राम और केवीके स्तरों पर नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। एनएमएनएफ के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महाराष्ट्र राज्य को 80.6601 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। महाराष्ट्र राज्य को पीकेवीवाई के तहत वर्ष 2015-16 से वर्ष 2025-26 तक राज्य को 160.9301 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

(ङ): महाराष्ट्र राज्य सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य के आदिवासी बहुल क्षेत्रों सहित राज्य भर में डॉ. पंजाबराव देशमुख नैसर्गिक शेटी मिशन भी कार्यान्वित कर रही है। प्राकृतिक कृषि मानकों के अनुसार प्राकृतिक खेती के सभी उत्पादों के प्रमाणन के लिए सरकार द्वारा प्राकृतिक कृषि प्रमाणन प्रणाली (एनएफसीएस) को "पीजीएस-इंडिया नेचुरल" के रूप में भी शुरू किया गया है। यह एक ऑनलाइन प्रमाणन प्रणाली है और इसे राष्ट्रीय जैविक और प्राकृतिक खेती केंद्र (एनसीओएनएफ) के माध्यम से कार्यान्वित किया गया है। प्राकृतिक खेती प्रमाणन प्रणाली के तहत अब तक 14 लाख से अधिक किसानों को पंजीकृत किया गया है, जिसमें 6 लाख से अधिक किसानों को एनएफ प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। प्रमाणन किसानों को प्राकृतिक उत्पादों के लिए प्रीमियम मूल्य प्राप्त करने में सहायता करेगा। महाराष्ट्र राज्य में, अब तक 2,60,530 किसानों को प्राकृतिक कृषि प्रमाणन प्रणाली के तहत पंजीकृत किया गया है, जिसमें 2,36,986 से अधिक किसानों को एनएफ प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

(च) कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके), केन्द्रीय और राज्य कृषि विश्वविद्यालय (एयू), स्थानीय प्राकृतिक कृषि संस्थान (एलएनएफआई) और किसान मास्टर ट्रेनर (एफएमटी) प्राकृतिक खेती कार्यान्वयन के सभी पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इसमें स्थानीय रूप से प्रासंगिक एनएफ पद्धतियों को शामिल करते हुए किसान खेतों के प्राकृतिक खेती मॉडल प्रदर्शन फार्मों में ऑन-फील्ड प्रशिक्षण, प्राकृतिक कृषि पद्धतियों का पैकेज और प्राकृतिक कृषि आदानों जैसे बीजामृत, जीवामृत, नीमास्त्र आदि की तैयारी और अन्य स्थान विशिष्ट उत्तम प्राकृतिक कृषि पद्धतियां शामिल हैं।

****